हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, मंगलवार 24 मार्च 2026

12 युवा शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं : रणबीर गंगवा

12 साउथ बाइपास पर चार करोड़ से लगाई गई डेकोरेटिव पोल व लाइट्स का उद्घाटन

खबर संक्षेप

कैबिनेट मंत्री ने रक्तदान करने वाले किए सम्मानित

बरवाला। माटी कला बोर्ड के पूर्व चेयरमैन स्वर्गीय ईश्वर मालवाल की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर ईश्वर सिंह मालवाल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कुम्हार धर्मशाला में आयोजित रक्तदान शिविर का मुख्य आकर्षण शतकवीर रक्तदाता सम्मान रहा। इसमें मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा द्वारा 100 से अधिक बार रक्तदान कर समाज सेवा की मिसाल कायम करने वाले रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया।

कोच अमन वर्मा को मिली 'मानद डॉक्टरेट' की उपाधि

हिसार। भारत सरकार और नीति आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अनुमोदित कैंसिस्टटयूशन क्लब ऑफ इडिया दिल्ली की ओर से जिम कोच अमन वर्मा को 'मानद डॉक्टरेट' की उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें फिटनेस और वेलनेस के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और श्रेष्ठता के लिए प्रदान किया गया है। अमन वर्मा हिसार में इंडियन बॉडी बिल्डिंग के फेडरेशन में हिसार के महासचिव के पद पर कार्यरत है। अमन वर्मा फिटनेस योग के कोच है वे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने लोगों की सेहत की ठीक करने लोगों को स्वस्थ बनाने में एक जूनून के साथ लगे हुए है और स्कूल कालेज में निरंतर स्वास्थ्य के प्रति बच्चो को जागृत करते रहते है और बच्चों को फिटनेस के गुरु सिखाते है।

एक शाम बुजुर्गों के नाम में बुजुर्ग हुए भावविभोर

हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में नवरात्रि के पावन अवसर पर एक शाम बुजुर्गों के नाम आयोजित करके भगवान की स्तुति की गई। नारायणी वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस अवसर पर विद्या निकेतन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने नृत्य, भजन व गीत गायन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। इस दौरान समाजसेवा व जनहित के उल्लेखनीय कार्यों के लिए मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक मां पंकज संधीर एवं आश्रम को नारायणी वेलफेयर सोसायटी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। नारायणी वेलफेयर सोसायटी की संचालिका व अध्यक्ष डॉ. गुजन गोयल ने कहा कि मोक्ष वृद्धाश्रम ने बुजुर्गों के लिए आवास, भोजन व वस्त्रों की समुचित व्यवस्था करवाकर अनुकरणीय कार्य किया है।

सीएम का युवाओं से कृषि में ड्रोन, एआई व डिजिटल तकनीकों को अपनाने का आह्वान

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ का उद्घाटन, मुख्यमंत्री ने मेले में विभिन्न स्टॉल का किया निरीक्षण

हिसार। खरीफ कृषि मेले में उमड़ी भीड़।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

मुख्यमंत्री ने युवाओं से कृषि में ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एग्री-स्टार्टअप और फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। युवा इस दिशा में बढ़े तो रोजगार पा सकते हैं। साथ ही आप दूसरों को भी रोजगार देना का काम कर सकते हैं। इसके साथ ही सीएम ने धान, गेहूं के पारंपरिक फसल चक्र से बाहर निकलने के लिए किसानों का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री सैनी सोमवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ का उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मेले में कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य मंत्री श्याम सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने की। इस वर्ष कृषि मेले का थीम सतत कृषिः समृद्धि की राह रखा गया है। मुख्यमंत्री ने मेले में लगाई गई विभिन्न स्टॉल का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा विभाग, कपास अनुभाग, तिलहन विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा किसानों को जानकारी देने के लिए प्रकाशित की गई पुस्तकों का भी विमोचन किया।

सीएम ने शहीदों को श्रद्धासुमन किए अर्पित

सीएम ने कहा कि हिसार की मिट्टी मेहनत, पशुधन समृद्धि और वीर सैनिकों की कुर्बानियों की गवाही देती है। राखीगढ़ी हमारी प्राचीन सभ्यता का गौरव है, जबकि अग्रोहा की धरती महाराजा अग्रसेन के सामाजिक समरसता और व्यापारिक वैभव की कहानी कहती है। कृषि मेले में पहुंचने पर सर्वप्रथम मुख्यमंत्री ने शहीदी दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमाओं पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

प्राकृतिक खेती के लिए 2 हजार एकड़ का एक स्मार्ट एग्रीकल्चर क्लस्टर बनाएंगे

बजट में लिए गए निर्णयों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1 लाख 40 हजार एकड़ लवणीय व नमकीन भूमि को खेती योग्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के तहत 2 हजार रुपये प्रति एकड़ अतिरिक्त बोनस देने का निर्णय लिया है। सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कृषि क्षेत्र की बिजली आपूर्ति व्यवस्था के लिए एग्री डिस्कॉम बनाने की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती के लिए 2 हजार एकड़ का एक स्मार्ट एग्रीकल्चर क्लस्टर बनाया जाएगा। इसमें यदि किसानों को किसी प्रकार का भी नुकसान होगा, तो उसकी भरपाई सरकार द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे मेले में उपलब्ध नई तकनीकों और जानकारी का लाभ उठाकर अपनी आय बढ़ाएं और सतत कृषि की दिशा में कदम बढ़ाएं।

खेती में आत्मनिर्भर होना होगा : कृषि मंत्री

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने किसानों को संबोधित करते हुए फसल विविधीकरण और जल संरक्षण के महत्व पर विशेष जोर दिया। कृषि मंत्री ने खेती में कीटनाशकों व अत्यधिक खाद के प्रयोग तथा अंधाधुंध पानी के दोहन पर चिंता जताते हुए कहा कि यदि हमने समय रहते वैकल्पिक उपाय नहीं किए तो हमारी जमीने बंजर हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि कृषि प्रधान देश होने के बावजूद भी हमें कई प्रकार की दाले और खाद बाहर से आयात करना पड़ता है। हमें खेती के मामले में आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए गेहूं, धान की खेती के अलावा दालें व अन्य फसलों पर भी फोकस करना होगा। गोबर गैस प्लांट व सोलर प्लांट की पहल करके हम न केवल खुद बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर बना सकते हैं। उन्होंने किसानों को देसी गाय पालन को बढ़ावा देने की सलाह दी।

हिसार। पुस्तकों का विमोचन करते मुख्यमंत्री नायब सैनी व अन्य।

किसान नई तकनीकों का लाभ उठाएं : प्रो. काम्बोज

हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मेले के थीम सतत कृषि-समृद्धि की राह विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते समय और जलवायु परिस्थितियों के बीच सतत खेती किसानों की समृद्धि का मजबूत आधार बनकर उभर रही है। यदि किसान आधुनिक खेती के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करे तो न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी लंबे समय तक बनी रहेगी। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे नई तकनीकों और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाते हुए सतत खेती की दिशा में कदम बढ़ाएं ताकि कृषि क्षेत्र में स्थाई विकास और समृद्धि सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ कमल गुप्ता, विधायक सावित्री जिंदल, विधायक विनोद भयाणा, विधायक रणधीर पनिहार, भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, प्रभारी जवाहर सैनी, हकृवि उपकुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज, लुवास के उपकुलपति विनोद कुमार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार, उपायुक्त महेंद्र पाल, मेयर प्रवीण पोपली, पूर्व मंत्री अनूप धानक, हिसार जिलाध्यक्ष आशा खेदड़, कृषि वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान सहित अनेक गणमान्य नेता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

साइबर ठगी करने वालों से रहें सतर्क : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने कहा है कि वर्तमान समय में साइबर ठग अत्यंत सुनियोजित एवं आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए लोगों को निशाना बना रहे हैं। ये ठग व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तथा फर्जी वेबसाइटों के माध्यम से आमजन को अपने जाल में फंसाते हैं। कई मामलों में ठग खुद को विदेशी इमिग्रेशन अधिकारी, दूतावास कर्मचारी या अधिकृत एजेंट बताकर नकली दस्तावेज भेजते हैं, जिससे पीड़ित उनकी बातों पर विश्वास कर लेता है। उन्होंने कहा कि ठग लोगों पर मानसिक दबाव बनाकर उन्हें डराने-धमकाने का प्रयास करते हैं। तुरंत पैसे जमा नहीं किए तो कानूनी कार्रवाई होगी या डिपोर्ट कर दिया जाएगा जैसे झूठे बहाने बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवा लेते हैं। ऐसे में आमजन को घबराने के बजाय संयम रखते हुए तथ्यों की सही जांच करनी चाहिए और किसी भी प्रकार की जल्दबाजी से बचना चाहिए। एसपी यशवर्धन ने स्पष्ट किया कि किसी भी देश का इमिग्रेशन विभाग या कोई भी सरकारी एजेंसी कभी भी फोन, व्हाट्सएप या सोशल मीडिया के माध्यम से सीधे पैसे की मांग नहीं करती।

गैस सिलेंडर आपूर्ति में अनियमितता पर होगी कार्रवाई: डीसी

- अफवाहों से बचने की अपील, हांसी में गैस सिलेंडर का है पर्याप्त स्टॉक, घबराने की जरूरत नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

उपायुक्त राहुल नरवाल ने स्पष्ट किया है कि कमर्शियल तथा घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। डीसी ने बताया कि जिला में आवश्यक सेवाओं जैसे अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान एवं छात्रावासों को प्राथमिकता के आधार पर एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उपायुक्त ने कहा कि शादी-विवाह, सामाजिक कार्यक्रमों अथवा अन्य आयोजनों के लिए यदि अतिरिक्त गैस सिलेंडर की आवश्यकता हो, तो संबंधित व्यक्ति एसडीएम कार्यालय में निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सकता है। आवेदन के साथ कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र (प्रोग्राम कार्ड) तथा पहचान पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आवेदन करने से पूर्व संबंधित एजेंसी या विभाग से स्टॉक की उपलब्धता की पुष्टि करना जरूरी है। डीसी राहुल नरवाल ने आमजन को आश्वस्त करते हुए कहा कि वर्तमान में कमर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है तथा पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है। इसलिए नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही अनावश्यक रूप से घबराएं।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि कोई गैस एजेंसी निर्धारित दरों से अधिक राशि वसूलती है या किसी प्रकार की अनियमितता करती है, तो उसकी शिकायत तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें। शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

लगभग 16.04 करोड़ की लागत से होंगे पुनर्विकास कार्य

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत हांसी स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य हुआ प्रारम्भ

- हेरिटेज लुक के साथ यात्रियों को जल्द मिलेंगी बेहतर सुविधाएं
- स्थानीय कला एवं संस्कृति का होगा समावेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत उत्तर-पश्चिम रेलवे, बीकानेर मंडल के 15 स्टेशनों के आलावा 7 स्टेशनों पर भी पुनर्विकास कार्य किया जाएगा, इन 7 स्टेशनों में से हांसी रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास का कार्य प्रारम्भ हो चुका है और लगभग 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। स्टेशन भवन के समरूप में बड़े स्तर पर सुधार कार्य, स्टेशन की ओर आने-जाने वाले मार्ग में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग प्रावधान का कार्य, बाउंड्री वॉल, सर्कुलेटिंग एरिया में सौंदर्य करण, दोपहिया, चौपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग सुविधा, बुकिंग ऑफिस रिटायरिंग रूम आदि में सुधार, नए टॉयलेट ब्लॉक्स का कार्य होगा। लगभग 16.04 करोड़ की लागत से होने वाले पुनर्विकास कार्यों में उपरोक्त कार्यों के अलावा सौंदर्य वर्धन के लिए एलइडी लाइटिंग, तथा दीवारों पर आर्टवर्क भी किया जाएगा। स्टेशन का मुख्य प्रवेश द्वार अत्यन्त आकर्षक बनाया जाएगा ,जिसकी छत पर स्थानीय कला एवं संस्कृति का समन्वय करते हुए कलाकारों द्वारा आकर्षक पेंटिंग की जाएगी। इन सभी सुविधाओं का दिव्यांगजनों तक पहुंच बनाने के लिए उपयुक्त साइनेज भी लगाया जायेगा। इसके अलावा यात्री सूचना प्रणाली में सुधार के लिए के कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड, मल्टी लाइन डिस्पले बोड्र्स, सिंगल लाइन डिस्प्ले बोर्ड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, बड़े एलइडी स्क्रीन्स तथा जीपीएस आधारित डिजिटल क्लॉक भी लगाया जाएगा।

हांसी। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत निर्माणधीन हांसी रेलवे स्टेशन।

3.38 करोड़ की लागत से बनेगा पैदल पुल

स्टेशन पर 6 मीटर चौड़ा पैदल पुल भी बनाया जाएगा जिसकी अनुमानित लागत लगभग 3.38 करोड़ रुपये है। स्टेशन की प्रकाश व्यवस्था, सुगम,निर्बाध एवं निरंतर तकनीकी रेल कार्यों के संचालन के लिए हरित ऊर्जा उत्पादन सोलर ऊर्जा प्लांट भी स्थापित किया जाएगा।

पुनर्विकसित होने से यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इस स्टेशन के पुनर्विकसित होने से यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी, आवागमन सुगम होगा एवं व्यापारी वर्ग भी लाभान्वित होगा। स्टेशन के पुनर्विकास से स्थानीय कारीगर एवं मजदूरों को रोजगार मिलेगा जिससे उनकी आय बढेगी। स्टेशन के पुनर्विकसित होने से पर्यटन, स्थानीय हस्तशिल्प कला आदि को बढ़ावा मिलेगा जिससे क्षेत्र की लोकप्रियता बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस प्रकार स्टेशन के पुनर्विकास से क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास भी होगा। उल्लेखनीय है कि बीकानेर रेल मंडल पर 22 स्टेशनों का पुनर्विकास एवं बीकानेर स्टेशन का मेजर अपग्रेडेशन हो रहा है।

बोझ चाहे काम, खर्चों, फिजूल की बातों का हो या फिर घर में मौजूद अनावश्यक सामानों का हो, जीवन अव्यवस्थित हो जाता है। इससे बचने के लिए कई लोग अब मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल अपना रहे है। मतलब इसमें वे अपनी प्राथमिकताएं तय करके सादगी भरा सरल जीवन जीना पसंद कर रहे हैं। जानिए, क्या है यह मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल।

सुकून भरी जिंदगी के लिए मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल

कवर स्टोरी

एस. भाग्यम शर्मा

सरल जीवन की चाह में अब लोग मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल को अपना रहे हैं। मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल का मतलब है, कम से कम सामान, कम खर्च, कम काम, कम बोझ और आरामदायक जीवन। यह जीवनशैली हमें जिंदगी में केवल आवश्यक और महत्वपूर्ण चीजें रखना सिखाती है। जिससे जीवन अव्यवस्थित ना रहे, एक मानसिक शांति मिले। इस जीवनशैली में हम अनावश्यक भौतिक वस्तुओं से बचते हुए, अच्छे अनुभवों और रिश्तों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह जीवनशैली जीवन को सरल, तनावमुक्त बनाती है। मिनिमलिज्म का उद्देश्य केवल कम से कम भौतिक वस्तुओं से नहीं है बल्कि विचार, समय और ऊर्जा का समझदारी से प्रबंधन भी है। यह प्रबंधन व्यक्तिगत संतोष और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने में मदद करता है, हमें अपना जीवन अर्थपूर्ण लगता है।

लोग चाहते हैं सस्टेनेबल लाइफस्टाइल

फिजूल खर्ची से होने वाले नुकसान के कारण अब लोग धीरे-धीरे यह समझने लगे हैं कि अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह करना समय और धन की बर्बादी है। आजकल लोग सस्टेनेबल लाइफस्टाइल चाहते हैं। वे महंगी और आकर्षक दिखने वाली चीजों से दूर रहने लगे हैं, सादगीपूर्ण जीवन जीने के लिए ईको फ्रेंडली वस्तुओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। अकसर यह सुनाई देता है, फलां व्यक्ति लाखों की सैलरी पैकेज और मेट्रो सिटी का विलासपूर्ण जीवन छोड़कर गांव में जाकर रह रहा है। बिना किसी खाद और कीटनाशक के ऑर्गेनिक खेती कर रहा है। यहां तक कि कुछ लोग पर्यावरण के अनुकूल मिट्टी के घर भी बना रहे हैं। जहां गर्मियों में एसी जैसे उपकरणों की जरूरत नहीं होती। इससे पर्यावरण सुरक्षित रहता है। पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए सादगीपूर्ण जीवनशैली अपनाना बहुत जरूरी है। जैसे कि आजकल जागरूक लोग विवाह जैसे सामाजिक समारोह में भोजन परोसने के लिए प्लास्टिक की डिस्पोजेबल प्लेट और गिलास इस्तेमाल करने के बजाय पत्तलों और मिट्टी के कुल्हड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह भी देखा जा रहा है, मध्यवर्गीय परिवारों में अधिकतर एक के बजाय दो गाड़ियां होती हैं, लेकिन सेहत के प्रति जागरूक लोग छोटी दूरी के लिए साइकिल का इस्तेमाल कर रहे हैं, इससे प्रदूषण नहीं होता, साथ ही ऊर्जा के संसाधनों की भी बचत होती है।

अपनी प्राथमिकता तय करें

समय के बदलाव के हिसाब से हमें जीना सीखना चाहिए। आज हमें अपने आपको मिनिमलिस्ट लाइफस्टाइल के लिए तैयार करना होगा। इसके लिए सबसे पहले हम अपनी प्राथमिकताओं को समझें और तय करें। अनावश्यक सामान और फिजूल की बातों से मुक्त हों। घर में सिर्फ वही सामान रखें, जो जरूरी और उपयोगी हों। सामान को कम करने के लिए दिमागी रूप से तैयार रहें। अपने जरूरी कामों और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें, इससे हम अव्यवस्था से दूर रहेंगे।

अपनाएं साधारण और शांत जीवनशैली

हमें साधारण और शांत जीवनशैली अपनाने की भरसक कोशिश करनी चाहिए, जिसमें कम चीजों के बावजूद हमें खुशी और संतोष मिले। हमें अपने समय को सही दिशा में निवेश करना चाहिए। हर दिन की शुरुआत सकारात्मक सोच के साथ करें। घर के लिए खरीदारी करते समय सामानों की सूची बना लें, उसी के अनुसार जरूरी सामानों की खरीदारी करें ताकि फिजूल की चीजें घर ना आएं। कुछ लोग दिखावे के लिए अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह घर में कर लेते हैं, इससे बचें। आज लोग यह समझने लगे हैं कि असली खुशी वस्तुओं और धन के संग्रह से नहीं मिलती, इसके लिए मन का सुकून बहुत जरूरी है। यदि हम जीवन में सच्ची खुशी चाहते हैं तो धन के प्रदर्शन और अनावश्यक वस्तुओं के खरीदने से बचें। ऐसा करने से हमें एक मानसिक शांति और खुशी मिलेगी, इससे हमें कुछ रचनात्मक करने का अवसर मिलेगा, जो हमें एक पहचान दे सकता है।

बदल रही है सोच और आदतें

बीते जमाने में महिलाओं के पास बस एक-दो महंगी साड़ी होती थी, जो त्योहारों में या शादी में पहनी जाती थी, लेकिन नए जमाने में बहुत सी महिलाएं नई-नई साड़ी या तरह-तरह की फैंसी पोशाकें पहनने लगीं। लेकिन इधर यह सोच बदली है। देखने में आ रहा है, अब बॉलीवुड एक्ट्रेसेस भी एक बार पहनी हुए ड्रेस को दोबारा पहन कर लोगों के सामने सादगी की मिसाल पेश कर रही हैं। एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में अपनी मेहंदी का लहंगा दोबारा पहना। यह देखकर लोगों ने ना केवल प्रशंसा की, बल्कि वे भी इस अच्छी आदत को अपना रहे हैं। महानगरों में अधिकतर लोग फ्लैट्स में रहते हैं। उनके पास इतनी जगह नहीं होती कि वह ढेर सारा सामान रख सकें। ऐसे में बर्तन, वस्त्र, घरेलू उपकरण या अन्य सामान जरूरतमंदों में बांट देते हैं। इस नेक काम में कुछ लोग स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद भी करते हैं। आजकल लोग समय के साथ ऐसी चीज खरीदने लगे हैं, जिनकी वाकई में जरूरत होती है। यहां तक कि नई पीढ़ी अब शादी-ब्याह में ब्राइडल ड्रेस, ज्वेलरी आदि किराए पर लेने लगी है। छोटे बच्चे भी माता-पिता की सादगी भरी जीवनशैली से सीख लेकर उन्हीं के पदचिन्हों पर चल रहे हैं।

किसी हादसे या दिल पर चोट पहुंचाने वाली बात पर मन का उदास होना स्वाभाविक है, लेकिन जब छोटी-छोटी बातों से आपका मूड बिगड़ा रहे, तनाव में रहे, आप उदास दिखें तो यह सही नहीं है, इस तरह आप एंग्जाइटी का शिकार हो सकती हैं। इससे कैसे बचें, उपयोगी सलाह।

क्या अकसर होता है आपका मूड ऑफ!

सलाह

प्रतिभा अग्निहोत्री

बहुत से लोगों का मूड अकसर बिगड़ा रहता है। जरा सा कुछ उनके मन माफिक नहीं हुआ कि मूड ऑफ! वह खामोश होकर बैठ जाएंगे, बेचैन से दिखेंगे। मूड जब देखो तब ऑफ ना रहे, सही रहे, आप खुश दिखें, इसके लिए आप क्या करें, जानें-

प्रकृति के नजदीक जाएं: अमेरिका से प्रकाशित होने वाले सिटीज जर्नल के अनुसार पौधों की कटाई, छंटाई और खुदाई के दौरान हमारा ध्यान आस-पास की चिंताओं और परेशानियों से हट जाता है। जब भी आपका मूड सही ना हो, मन उदास हो तो आप अपने घर के गार्डन अथवा नजदीक के पार्क में जाएं और वहां के फूलों, पत्तियों और पेड़ों को गौर से देखें, आप एक ताजगी महसूस करेंगी, बहुत जल्दी आपका मूड सही हो जाएगा।

सुबह की चाय: विभिन्न शोधों के अनुसार चाय स्वाभाविक मूड बस्टर फ्लेवोनॉयड्स का बहुत अच्छा स्रोत होता है, इसलिए सुबह की चाय मानसिक और शारीरिक थकावट दूर करके ताजगी देने वाली होती है। यदि संभव हो तो अपने पार्टनर के साथ बालकनी या गार्डन में बैठकर प्रकृति का आनंद लेते हुए साथ-साथ चाय पिएं, इस दौरान आप चाय पीते-पीते अपने मन की बात अपने पार्टनर से कहकर मन हल्का कर सकती हैं।

मनचाहा काम करें: लिखना, पढ़ना, संगीत सुनना, पेंटिंग या गायन आदि कार्य जिन्हें करने से आपके मन को सुकून मिलता हो, उन्हें करने का प्रयास करें। यदि आप मूवी की शौकीन हैं तो मूवी देखें, हो सकता है शुरुआत में आपका कुछ भी करने का मन न हो, फिर भी आप स्वयं को व्यस्त रखने का प्रयास करें। कुछ समय पश्चात आपका मूड एकदम सही हो जाएगा।

घर को व्यवस्थित करें: शोध बताते हैं कि अगर घर या कमरे में सब कुछ अस्त-व्यस्त है तो मूड उखड़ जाता है, हम तनावग्रस्त हो जाते हैं, इसलिए जब भी आपको अपना मूड बिगड़ा दिखे तो आप अपने घर, कमरे या कवर्ड को व्यवस्थित करें, बेड की चादर बदलें, घर के फर्नीचर की जगह बदलें, फ्लॉवर बेस में ताजे फूल लगाएं, किचेन की चीजों को व्यवस्थित करें। इससे घर में आपको नवीनता लगेगी, आप काफी हद तक बेहतर फील करेंगी।

हाइड्रेट रहें: रिसर्च के अनुसार शरीर में पानी की कमी से कब्ज और लो ब्लड प्रेशर की समस्या हो जाती है, जिसका सीधा असर मूड पर भी पड़ता है, इसलिए दिन में कम से कम 10 ग्लास पानी अवश्य पिएं। इससे आप स्वयं को तरोताजा महसूस करेंगी। यदि खाली पानी नहीं पी पाती हैं तो इसमें नीबू का रस, मिंट लीव्स डालकर एक जग या बोतल में रखें और इस फ्लेवर्ड पानी को छानकर पिएं। गर्मी के मौसम में आप शरीर को शर्बत, जूस, शेक्स पीकर और तरबूज, खरबूज जैसे फलों का सेवन करके भी हाइड्रेट रख सकती हैं। इससे आपका मूड सही रहेगा।

योगा और एक्सरसाइज करें: योगा, वॉकिंग और एक्सरसाइज करने से हमारा शरीर एकदम फिट और फाइन रहता है। जब भी आपका मन कुछ अपसेट हो तो आप वॉकिंग करने चली जाएं या फिर घर पर ही योगा करें, इससे आपके अंदर डोपामाइन हार्मोन रिलीज होगा और मन की उदासी काफी हद तक दूर हो जाएगी।

हमेशा सकारात्मक रहें: मनोवैज्ञानिक कीर्ति वर्मा कहती हैं, 'जब मूड सही ना हो तो आप अपने जीवन की अच्छाइयों, अच्छी घटनाओं और अपने से जुड़े अच्छे लोगों के बारे में सोचें, इससे आपके मन के नकारात्मक विचार गायब होंगे।' शोध बताते हैं कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत हों परंतु सकारात्मक विचारों से उन पर सुगमता से विजय पाई जा सकती है।

रिश्ते तो बहुत से लोगों के होते हैं, लेकिन जीवन में एकाध लोग ही ऐसे होते हैं, जिनसे रिश्ते बहुत अलग और खास होते हैं। ये रिश्ते शब्दों में बयां नहीं किए जा सकते, बस अहसास किए जा सकते हैं। ये रिश्ते हमे संरक्षित करते हैं, हमारा संबल और मनोबल होते हैं।

तुमसे कुछ अनूठा और खास है रिश्ता

संबंध

अंजू जैन

हमारी जिंदगी में एक या दो लोग ऐसे जरूर होते हैं, जिनको देखकर हमारे मुख से अनायास ही निकल जाता है, 'कुछ खास और अनूठा है तुमसे मेरा रिश्ता।' यह रिश्ता ऐसा होता है, जो समय की कसौटी पर तपकर 'रूहानी' बन जाता है। चाहे बचपन की सहेली हो, पति-पत्नी हों, मां-बेटी हों या ननद-भाभी, इनसे प्रेम पगा ऐसा रिश्ता हो जाता है, जो हमारे अस्तित्व को मुकम्मल करता है। इस रिश्ते के अहसास बहुत गहरे होते हैं। ऐसे रिश्ते की और क्या पहचान होती है, जानिए-

यह रिश्ता उपयोग नहीं अहसास के लिए है: अकसर हम रिश्तों का महत्व उसकी उपयोगिता से आंकते हैं, लेकिन जो अनूठे रिश्ते होते हैं, वे 'उपयोग' के लिए नहीं, 'अहसास' के लिए होते हैं। ये वे लोग होते हैं, जो आपकी सफलता पर आपसे ज्यादा खुश होते हैं, आपकी विफलता में आपके सबसे मजबूत संबल बनते हैं। यह ऐसा गहरा रिश्ता होता है, जिसमें खुद को साबित करने की जरूरत नहीं पड़ती। इसमें पति-पत्नी के बीच की स्वीकृत खामोशी कभी असहज नहीं लगती या दो भाइयों और सहेलियों के बीच का भरोसा 'चाहे कुछ भी हो जाए, साथ खड़े हैं', यही रिश्तों की गहराई होती है, सच्चा प्यार होता है।

बिन कहे सुन लेना: गहरे रिश्तों की पहली पहचान खामोशी है। जब आप दुखी हों और सामने वाला सिर्फ आपकी आंखों को देखकर आपकी पीड़ा समझ ले, तो समझिए यह रिश्ता रूहानी है। यहां शब्दों के सहारे की कोई जरूरत नहीं पड़ती।

कभी नीचा नहीं दिखाएगा: अनूठा रिश्ता वह होता है, जहां आप अपनी बड़ी से बड़ी गलती बिना डरे साझा कर सकें। यह रिश्ता आपको सुधार सकता है, डांट सकता है, लेकिन आपको कभी नीचा नहीं दिखाएगा।

छोटी-छोटी बातों का जश्न: गहरे रिश्तों में खुश रहने के लिए किसी बड़े उत्सव की जरूरत नहीं होती। साथ बैठकर चाय पीना, पुरानी यादें ताजा करना या बस चुपचाप टहलना भी एक बड़ा जश्न बन जाता है।

वक्त और फासले बेअसर: कुछ दोस्त-सहेलियां सालों बाद मिलती हैं, लेकिन बातचीत वहीं से शुरू होती है, जहां छोड़ी थी। गहरे रिश्तों पर न तो वक्त की धूल जमती है, ना ही दूरी कोई मायने रखती है।

एक-दूसरे की खुशियों में निवेश: जब दो सहेलियों, ननद-भाभी या मां-बेटी का गहरा रिश्ता होता है, तो उनकी जीत निजी नहीं रह जाती। एक की कामयाबी दूसरे की आंखों में चमक बनकर दिखती है। जलन और प्रतिस्पर्धा के लिए यहां कोई जगह नहीं होती।

मीठा ही नहीं कहे कड़वा सच भी: गहरा रिश्ता वह नहीं है, जो सिर्फ मीठा बोले बल्कि वह है, जो कड़वा सच भी प्यार से कहे। जो आपकी गलतियों पर पर्दा डालने के बजाय आपको आईना दिखाए, वही आपका सच्चा हितैषी है। यही सच्चे रिश्ते की पहचान है।

संकट में सबसे पहला ख्याल: जब जीवन में कोई बड़ा संकट आता है, तो जिस व्यक्ति का चेहरा आपके दिमाग में सबसे पहले आता है, वही आपका सबसे गहरा रिश्ता होता है। वह आपका 'सेफ हेवन' (सुरक्षित ठिकाना) होता है।

बिना शर्त स्वीकार्यता: आप जैसे हैं, अपनी खामियों, सनक और खूबियों के साथ आपको स्वीकार करे, आपको उस रिश्ते में रहने के लिए कोई मुखौटा पहनने की जरूरत नहीं पड़े, यही सच्चा-गहरा रिश्ता है। इस बात को हम समझें कि रिश्तों में दरार तब आती है, जब हम सामने वाले को अपनी इच्छा के अनुसार ढालना चाहते हैं। रिश्तों की खूबसूरती इसी में है कि आप व्यक्ति को उसकी खूबियों और खामियों के साथ वैसा ही स्वीकार करें, जैसा वह वास्तव में है।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

बहुत फायदेमंद है मेनीक्योर-पेडीक्योर

मेनीक्योर और पेडीक्योर केवल नाखूनों की सफाई ही नहीं है बल्कि यह सेल्फ केयर की एक जरूरी कड़ी है, जिससे स्वास्थ्य लाभ होता है, सुंदरता में निखार आता है, रक्त संचार बढ़ता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इनके फायदों के बारे में यहां बता रहे हैं।

बेहतर ब्लड सर्कुलेशन: जब आप मेनीक्योर और पेडीक्योर करवाती हैं तो शरीर में बेहतर रक्त संचार होता है, जिससे त्वचा में निखार आता है। इससे आपकी स्किन टाइट होती है जिससे चेहरे और हाथों-पैरों की झुर्रियां कम दिखती हैं और आप जवां दिखती हैं। शरीर में बेहतर रक्त संचार दिल की सेहत के लिए भी लाभदायक होता है।

संक्रमण की रोकथाम: आपके हाथ-पांव दिन में बार-बार जमीनी सतह के संपर्क में आने से गंदगी, धूल, मिट्टी आदि से खराब हो जाते हैं, जिसकी वजह से आपके नाखून गंदे हो जाते हैं और आपकी त्वचा अकसर खराब हो जाती है। नियमित मेनीक्योर और पेडीक्योर नाखूनों को साफ और सुव्यवस्थित रखने में मदद करते हैं, जिससे नाखूनों में फंगल और जीवाणु संक्रमण को रोकने में मदद मिलती है। नाखूनों के इर्द-गिर्द मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने से और क्यूटिकल की उचित केयर से फंगल और अन्य प्रकार के संक्रमण को रोकने में मदद मिलती है। पैरों के नाखूनों को साफ रखने, छोटा रखने और नियमित रूप से काटने से आपके नाखून अंदर की तरफ बढ़ते हैं जिससे हर तरह के संक्रमण को रोकने में मदद मिलती है और हाथों को भी यही फायदा मिलता है। हमारे नाखूनों में नियमित रूप से गंदगी जमा होती रहती है या कुछ न कुछ फंसा रहता है और उन्हें साफ और पॉलिश रखने से काफी फायदे होते हैं। मेनीक्योर और पेडीक्योर में पोषक क्रीम और तेलों का प्रयोग किया जाता है जोकि मॉयश्चराइज करते हैं, जिससे नाखून टूटते नहीं हैं और इनमें धब्बे भी नहीं पड़ते हैं।

तनाव होता है कम: मेनीक्योर और पेडीक्योर में मसाज के दौरान मांसपेशियां रिलेक्स होती हैं, जिससे तनाव कम होता है। मसाज के प्रेशर और मूवमेंट से तनाव रिलीज हो जाता है और इससे सेहत और तंदुरुस्ती को प्रमोट करने में मदद मिलती है। मसाज आपके हाथों और पैरों की नसों को शांत करती है, जिससे तनाव को संतुलित किया जा सकता है।

नाखून-त्वचा के लिए यूजफुल: मेनीक्योर और पेडीक्योर नाखूनों को गहराई से साफ करते हैं। इस तकनीक से सारी गंदगी साफ हो जाती है। क्यूटिकल को ट्रिम करने से हैंगनेल (नाखूनों के आसपास की त्वचा) में होने वाली पीड़ा को रोका जा सकता है और नाखूनों को मजबूत और स्वास्थ्यवर्धक तरीके से बढ़ने में मदद मिलती है।

डाइट सजेशन

संध्या पांडेय

चीफ डाइटीशियन

मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

डिलीवरी के बाद केवल शिशु ही नहीं मां को भी अपनी हेल्थ का ध्यान रखना चाहिए। डॉक्टर की सलाह के अनुसार मां को अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव लाने की जरूरत होती है। इस बारे में बहुत यूजफुल सजेशंस।

डिलीवरी के बाद कैसी हो मां की डाइट-लाइफस्टाइल

जब कोई महिला मां बनती है तो नवजात शिशु की देखभाल के साथ अपनी सेहत के प्रति भी उसकी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। डिलीवरी के बाद की इस अवस्था को लैक्टेशन पीरियड कहा जाता है। जन्म के बाद शुरुआती छह महीने तक शिशु पूरी तरह मां के दूध पर निर्भर रहता है। ऐसे में उसे पर्याप्त पोषण की जरूरत होती है। यह तभी संभव होगा, जब मां हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल अपनाएं।

शरीर को चाहिए पर्याप्त पोषण: डिलीवरी के बाद अकसर महिलाओं के शरीर में खून की कमी हो जाती है, उनके शरीर में हार्मोन संबंधी बदलाव भी आते हैं। ऐसे में रिकवरी के लिए उन्हें पर्याप्त मात्रा में पोषण की जरूरत होती है। इस दौरान पौष्टिक और संतुलित आहार खाने से उनकी सेहत में तेजी से सुधार होता है। नवजात शिशु को फीड कराने वाली मांओं को रोजाना लगभग 300-400 अतिरिक्त कैलोरी की जरूरत होती है, जिसकी आपूर्ति के लिए उन्हें अपनी डाइट में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और विटामिंस से युक्त फूड्स को शामिल करना चाहिए। उनकी डाइट में रोजाना कैल्शियम की मात्रा 1000 से 1300 मिलीग्राम के बीच होनी चाहिए। इसके लिए अपनी डेली डाइट में दूध, दही, पनीर और हरी सब्जियां शामिल करें।

प्रोटीन भी है जरूरी: डिलीवरी के बाद अपनी सेहत की रिकवरी और नवजात शिशु के पोषण के लिए महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन की भी जरूरत होती है। इसके लिए उन्हें हर तरह की दालों, सोयाबीन और स्प्राउट्स का सेवन करना चाहिए। मिल्क प्रोडक्ट्स से भी उनके शरीर को प्रोटीन का पोषण मिल जाता है। ड्राय फ्रूट्स और कई तरह के सीड्स का सेवन भी सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

बढ़ाएं लिक्विड की मात्रा : नवजात शिशु को फीड कराने वाली महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। उन्हें रोजाना कम से कम एक लीटर दूध और आठ से दस ग्लास तक पानी पीना चाहिए। संतरा, अनार, मौसंबी और अंगूर जैसे फलों का सेवन भी फायदेमंद होता है। लेकिन जूस निकालकर पीने के बजाय सीधे इन फलों का सेवन अधिक फायदेमंद होता है।

हर्ब्स-मसाले भी हैं फायदेमंद : फल, दूध, सब्जियों के अलावा डिलीवरी के बाद महिलाओं को कुछ और चीजों को शामिल करना फायदेमंद होता है। मसलन, गुड़, जीरा, गोंद, हल्दी, सोंठ, मेथी से बने लड्डू और अजवाइन का पानी आदि। ये चीजें इंफेक्शन से बचाव में मददगार होने के साथ शरीर के इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाती हैं। अजवाइन का पानी पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने के साथ पेट में बनने वाली गैस को भी दूर करता है।

अपनाएं स्वस्थ जीवनशैली: शिशु की देखभाल की वजह से अकसर मां की नींद बाधित होती है, जिसकी वजह से उन्हें कई तरह की शारीरिक और मनोवैज्ञानिक समस्याएं परेशान करती हैं। ऐसी समस्याओं से बचाव का बेहतर तरीका यही है कि दिन के वक्त जब बच्चा सो रहा होता है तो उसी दौरान आप भी अपनी अधूरी नींद पूरी कर लें। शरीर को फिट रखने के लिए रोजाना वॉक करें। घी-तेल और मिर्च-मसाले के अत्यधिक सेवन से बचें। अगर इन बातों का ध्यान रखेंगी तो अपने शिशु के साथ आप भी पूरी तरह स्वस्थ रहेंगी।

प्रस्तुति: विनीता

खबर संक्षेप

विवेक नगर में शहीदी दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया

हिसार। विवेक नगर वेलफेयर समिति द्वारा सोमवार प्रातः शहीदी दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विवेक नगर के प्रधान कृष्ण पारीक की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित लोगों ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

अवैध कच्ची शराब पर हांसी पुलिस की कार्रवाई

हांसी। जिला हांसी पुलिस द्वारा अवैध नशीले पदार्थ का कारोबार करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान भाटला पुलिस चौकी ने 45 लीटर लाहन के साथ एक आरोपी को काबू किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान भाटला निवासी नरेश के रूप में हुई है। मुख्य सिपाही ने बताया कि पुलिस टीम रात्रि गश्त एवं अपराध जांच के दौरान गांव भाटला स्थित बिजली घर के पास मौजूद थी। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि भाटला निवासी नरेश अपने मकान के पास पशुओं के प्लॉट से सटे खाली पड़े बाड़े में प्लास्टिक पीपों में कच्ची शराब निकालने के लिए लाहण तैयार कर रहा है तथा उसे निकालने की तैयारी में है।

स्वयंसेवकों को राष्ट्र निर्माण की शपथ दिलाई

आदमपुर। राजकीय बहुतकनीकी मंडी आदमपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन समारोह संस्थान के पद्मिनी ताल परिसर में आयोजित किया गया, जिसका संचालन एनएसएस अधिकारी डॉ. राकेश कुमार शर्मा के कुशल निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य डॉ. बिजेंद्र सिंह ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मार्केट कमेटी के उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश गर्ग उपस्थित रहे।

समस्याओं को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

हांसी। शहर की मुख्य समस्याओं को लेकर जन सहयोग मंच के पदाधिकारियों ने महासचिव तुलसीदास वर्मा के नेतृत्व में विधायक विनोद भयाना को ज्ञापन सौंपा। विधायक भयाना को सौंपे गए ज्ञापन में मुख्य रूप से शहर में शिक्षा के लिए महिला कॉलेज व स्कूलों का प्रबंध करना, मुख्य बस अड्डा में बारिश के समय पानी भर जाता है उसे ठीक करवाना , सामान्य अस्पताल में तमाम प्रकार की मशीन व डॉक्टरों की नियुक्ति करवाना, बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल स्टेडियम बनवाना, शहर में पीने के स्वच्छ पानी का प्रबंध करवाना, रेलवे स्टेशन रोड़ व अन्य मार्गों पर स्ट्रीट लाइट का प्रबंध करवाने आदि सहित मांगों को प्रमुखता से रखा।

रिश्वत लेते का आरोपी एसआई न्यायिक हिरासत में

हिसार। रिश्वत लेते गिरफ्तार किए गए एचटीएम थाना में उप निरीक्षक नेहरा सिंह को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने नेहरा सिंह को अदालत में पेश किया था। उसके खिलाफ जांच शुरू की गई है वहीं विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

श्रीराम कथा में बाल लीलाओं की जीवंत व्याख्या सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु

पाप रूपी दुर्गंध को दूर करने के लिए प्रभु का नाम रूपी इत्र लगाना पड़ता है: भावेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

देवी भवन के गोयनका सदन में चल रही श्रीराम कथा में प्रभु श्रीराम की बाल लीलाओं की जीवंत व्याख्या सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। माता कौशल्या के साथ श्रीराम के बाल स्वरूप की अठखेलियों का प्रसंग सुनकर पंडाल में बैठे सभी श्रद्धालु अनायास ही भगवान श्रीराम प्रति नतमस्तक हो गए। श्री रामलीला कमेटी कटला के 129वें श्री रामनवमी महोत्सव के अंतगर्त चल रही श्रीराम कथा के दौरान श्रीधाम वृंदावन से पधारे कथा व्यास भावेश कृष्ण भारद्वाज ने बाल लीला व अहिल्या पर कृपा का बड़ा ही सुंदर वर्णन किया।

कथा व्यास भावेश कृष्ण भारद्वाज ने श्रीराम कथा के दौरान कहा कि श्रीराम कथा को श्रवण करने के साथ ही उस पर चिंतन करते हुए आत्मसात भी करना चाहिए। ऐसा करने से प्रभु श्रीराम के प्रति प्रगाढ़ता अपने आप ही हो जाएगी। उन्होंने प्रभु नाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि पाप रुपी दुर्गंध को दूर करने के लिए प्रभु का नाम रुपी इत्र लगाना पड़ता है।

हिसार। आद्यशक्ति पीठ मां संतोषी आश्रम में श्रीराम कथा करती महामंडलेश्वर स्वामी संतोषी माता। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

श्रीराम कथा के चौथे दिन पार्षद व समाजसेवी संजय डालमिया, डॉ. बालकिशन गुप्ता व समाजसेवी अंजनी खारियावाला अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर श्रीराम कथा के दौरान श्री रामलीला कमेटी कटला के प्रधान विनोद गुप्ता, सचिव ललित गोयल, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार लोहिया, उप प्रधान अनूप बिंदल व सह सचिव राजकुमार जैन, पूर्व प्रधान सुरेंद्र लाहौरिया, अनिल गोयल मंगालीवाला, साधुराम बंसल, ओमप्रकाश जिंदल, मनोहर बिंदल, रोशनलाल गोयल, एन. के. गोयल, रविंद्र गोयल, महेश सिंगल आदि उपस्थित रहे।

इंसान को कर्म का फल अवश्य भोगना पड़ता है

- आद्यशक्ति पीठ मां संतोषी आश्रम में श्रीराम कथा श्रवण करने उमड़े श्रद्धालु, 27 मार्च तक चलेगी श्रीराम कथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

श्री आद्यशक्ति पीठ मां संतोषी आश्रम में नवरात्रों के दौरान श्रीराम कथा में आस्था की बयार बह रही है। श्रद्धालु कथा व्यास श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी संतोषी माता के श्रीमुख से प्रभु श्रीराम से जुड़े प्रसंग सुनकर आनंदित हो रहे हैं और अपने इष्ट की निरंतर आराधना कर रहे हैं। श्रीराम कथा के चौथे दिन स्वामी संतोषी माता ने आध्यात्मिक प्रवचनों के दौरान कहा कि हर इंसान को कर्म का फल अवश्य भोगना पड़ता है, इसलिए हमेशा सदकर्म करने चाहिए।

हिसार। कटला रामलीला द्वारा आयोजित श्रीराम कथा को श्रवण करते श्रद्धालुगण।

राम कथा में आत्मचिंतन व जीवन सुधार का दिया संदेश

- गीता भवन में राम कथा का पांचवां दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

आध्यात्मिक गीता ज्ञान प्रचारिणी सभा के तत्वाधान में रामपुरा मोहल्ला स्थित गीता भवन में चैत्र नवरात्रों के उपलक्ष में चल रही राम कथा के पांचवें दिन की शुरुआत भजन गायक सुमित मित्तल, जितेश राखा व शुभम अरोड़ा के भजनों से हुई। इसके बाद कथा में प्रवचन देते हुए राय बरेली से आए आचार्य कविता कान्त वाजपेयी रामायणी ने अयोध्या नगरी की कथा करते हुए कहा कि राजा दशरथ के दरबार में जब दशरथ की खूब प्रशंसा हुई तो राजा दशरथ स्वयं इससे प्रसन्न नहीं हुए अपितु सिंहासन पर बैठकर दर्पण में स्वयं को देखा। यह दशरथ का आत्मावलोकन है। उन्होंने कहा कि अपने में देखने पर मनुष्य को कई कमियां दिखती हैं, जिसको हम समय रहते सुधार सकते हैं।

गीता भवन में प्रवचन देते आचार्य कविता कान्त वाजपेयी रामायणी।

ये रहे मौजूद

शीशा देखने वाले दशरथ हैं और दूसरों को शीशा दिखाने वाला दशानन हुआ। हमें दूसरों के दोष दिखते हैं परंतु अपने नहीं दिखते। हमें अपने अंदर झांककर चिंतन और मनन करना चाहिये कि हम कहां खड़े हैं। सात्विक वृत्ति का उदय ही राम कथा की सार्थकता है। इस अवसर पर संस्था की प्रधान उषा बख्शी, सचिव कृष्ण शर्मा, उपप्रधान कृष्ण महता, कोषाध्यक्ष धर्मबीर ग्रोवर, प्रेमलता बख्शी, सुशीला देवी, वीना चौधरी, भूषण चौधरी, रामशरण भुटानी, दीपक पाल, दयानंद बंसल, नंदलाल धमीजा, सुभाष गुप्ता, अर्जुन मानक, देशबंधु सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ओशो संबोधि दिवस पर साधकों ने छका लंगर, समझी गुरु की महिमा

हिसार। ओशो संबोधि दिवस पर देशभर में अनगिनत कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में हिसार के ओशो ध्यान उपवन में लंगर प्रसाद का वितरण किया गया और साधकों ने गुरु की महिमा को समझा। इस दौरान साधकों को सतगुरु ओशो की देशनाओं रूबरू होने का भी अवसर मिला। इस अवसर पर स्वामी संजय ने बताया कि ओशो संबोधि दिवस दरअसल एक प्रेरणा है जो आत्मा को जगा देती है। ओशो ने समझाया है कि संबोधि कोई दूर का सपना नहीं बल्कि अपने भीतर छिपे अनंत का आलिंगन है। इस अवसर पर साधकों ने मिलजुलकर सात्विक लंगर तैयार किया और साधकों ने ही एक-दूसरे को पूरे प्रेमभाव से लंगर छकाया।

कुलेरी स्कूल में आधुनिक लाइब्रेरी निर्माण शुरू

- कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने गांव कुलेरी में भगवान वाल्मीकि लाइब्रेरी का किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने सोमवार को जिले के गांव कुलेरी में पहुंचकर सेठ जियालाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भगवान वाल्मीकि लाइब्रेरी के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते कैबिनेट मंत्री ने कहा कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है, जो किसी भी व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को विकास के मार्ग पर अग्रसर करती है। उन्होंने लाइब्रेरी के निर्माण कार्य के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत, आधुनिक और रोजगारोन्मुख बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज के युग में केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, बल्कि तकनीकी और डिजिटल शिक्षा भी उतनी ही आवश्यक है।

इसी दिशा में सरकार द्वारा स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, ई-लर्निंग सुविधाएं, आधुनिक प्रयोगशालाएं और पुस्तकालयों का विस्तार किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने शहीदी दिवस के मौके पर देश के महान शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

हिसार। भगवान वाल्मीकि लाइब्रेरी का शिलान्यास करते कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, पूर्व मंत्री अनूप धानक व अन्य । फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व मंत्री अनूप धानक, मेयर प्रवीण पोपली, सिरसा पुलिस अधीक्षक जसवंत, संयुक्त निदेशक कृष्ण कुमार, कपूर सिंह बाल्मिकी, पूर्व चेयरमैन श्रीनिवास गोयल, पार्षद अजय धुंधवाल, सिरसा नगर पालिका चेयरमैन शांति स्वरूप, चंद्रप्रकाश बोस्ती, सुभाष पनिहार, राजेंद्र बिडलान, बलराज चौहान, बाडो पट्टी सरपंच पवन, राममिलन शर्मा, एडवोकेट मनोज कुमार, रविंद्र, मंदीप मलिक, प्रिंसिपल जगविंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक रुपये से पूरी करवाई भात की रस्म

- बिठमड़ा गांव के पूर्व सरपंच बिंदर धत्तरवाल ने पेश की मिसाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जिले के उकलाना खंड के गांव बिठमड़ा में एक परिवार ने मिसाल पेश करते हुए शादी व भात में बढ़ते दिखावे पर रोक लगाकर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। इस परिवार ने शादी में बढ़ती दिखावे की प्रवृत्ति व भात में दी जाने वाली भारी-भरकम रकम की परंपरा पर रोक लगाने की दिशा में भात में केवल एक रुपया लिय है। क्षेत्र में इस परिवार की चहुंओर प्रशंसा हो रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिठमड़ा गांव के पूर्व सरपंच बिंदर धतरवाल ने अपनी बेटी के विवाह में भात के रूप में दी गई एक लाख 51 हजार रुपये की राशि लौटा कर केवल एक रुपये से भात की रस्म पूरी करवाई और समाज को सादगी व जागरूकता का संदेश दिया। बताया जा रहा है कि विवाह के दौरान भात की रस्म निभाने के लिए गांव कालवन से पहुंचे भातियों ने परंपरा के अनुसार थाली में एक लाख 51 हजार रुपये की नकद राशि रखी। पूर्व सरपंच बिंदर धतरवाल ने इस राशि को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने सभी के सामने वह पूरी रकम वापस लौटा दी और कहा कि वे केवल एक रुपये से ही भात भरवाएंगे। इस दौरान भातियों ने काफी आग्रह किया कि इतनी बड़ी राशि को स्वीकार कर लिया जाए, लेकिन बिंदर धतरवाल अपने फैसले पर अडिग रहे। काफी देर बाद उनकी बात मानते हुए केवल एक रुपए से ही भात की रस्म पूरी की गई।

हिसार। भात के समय उपस्थित दोनों पक्षों के परिजन। फोटो : हरिभूमि

जांगिड़ सभा के सदस्यों ने बैठक करके किया कई मुद्दों पर मंथन

हिसार। बैठक में उपस्थित समाज के प्रबुद्धजन। फोटो : हरिभूमि

हिसार। विश्वकर्मा धर्मशाला बरवाला में जांगिड़ सभा के सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें जांगड़ा समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान उदय सिंह जांगड़ा ने की। बैठक में बरवाला ब्लॉक के उपस्थित सभी प्रबुद्ध जनों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी समाज बंधुओ ने बरवाला में नवनिर्मित धर्मशाला के बारे में, समाज में युवा साथियों व महिलाओं को अधिक से अधिक जोडने के लिए अपने-अपने विचार रखे। समाज के सभी गणमान्य लोगों ने अपने विचार रखने के बाद परमानंद जांगड़ा को बरवाला ब्लॉक का नया प्रधान सर्वसम्मति से चुना गया। बैठक में जिला कार्यकारिणी की तरफ से जिला प्रधान के अलावा पूर्व प्रधान राम तीरथ सुथार, महासचिव अमी लाल जांगड़ा, शिक्षा समिति के प्रधान प्रताप सिंह जांगड़ा, सचिव ब्रह्म प्रकाश जांगड़ा, आजाद सिंह जांगड़ा व डॉक्टर कलवंत जांगड़ा उपस्थित रहे।

विशाल थाई स्पोर्ट्स एसो. के चेयरमैन बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

मुय थाई स्पोर्ट्स एसोसिएशन हरियाणा की ओर से हिसार निवासी विशाल सैनी को चेयरमैन नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि विशाल सैनी के अनुभव, समर्पण और नेतृत्व क्षमता से मुय थाई खेल को क्षेत्र में नई दिशा मिलेगी।

उनके मार्गदर्शन में खिलाडिय़ों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। एसोसिएशन के अध्यक्ष कंवर पाल, उपाध्यक्ष सुनील कुमार, सचिव अनिल कुमार और कोषाध्यक्ष वैभव मेहता ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका सहयोग और मार्गदर्शन खिलाडिय़ों को प्रेरित करेगा तथा खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

हिसार। विशाल सैनी को बधाई देते एसोसिएशन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर साइबर ठगी करने वाला काबू

हांसी। साइबर थाना हांसी पुलिस ने क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के पास से 20 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश सोनू के रूप में हुई है। एएसआई प्रेम कुमार ने बताया कि हांसी निवासी एक युवती के व्हाट्सएप पर एक अज्ञात मोबाइल नंबर से मैसेज प्राप्त हुआ। मैसेज करने वाले व्यक्ति ने उसका डाटा ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त किया है तथा उसे एक लिंक भेजकर उस पर जॉइन करवाया। लिंक पर क्लिक करने के बाद युवती की बातचीत एक तथाकथित रिसेप्शनिस्ट ने उसे टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया। उसे क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर टास्क दिए गए तथा जेमिनी प्लेटफॉर्म पर रुप निवेश करने के लिए कहा गया। इस दौरान एक व्यक्ति उसे लगातार गाइड करता रहा और उसके कहने पर उसने अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से 2,83,412 रुपये की राशि निवेश कर दी, जो बाद में ठगी साबित हुई।

क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में

दुर्गा मंदिर में अष्टमी पर होगी प्राण प्रतिष्ठा

- श्रद्धालुओं सहित निकाली गई भव्य नगर फेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उकलाना

दुर्गा मंदिर का भव्य निर्माण पूर्ण होने के उपरांत चैत्र माह के द्वितीय नवरात्र से शुरू हुआ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अष्टमी तक विधि-विधान के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर मंदिर में मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा के लिए सात ब्राह्मणों द्वारा प्रतिदिन विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है।

मंदिर में आचार्य पवन शर्मा, अंकित शर्मा, सूरजभान शर्मा, रवि शर्मा, नंद राय और सदानंद शर्मा सहित सात ब्राह्मणों द्वारा प्रतिदिन मंत्रोच्चारण के साथ नवदुर्गा प्राण प्रतिष्ठा के लिए धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं, ताकि मंदिर में माता काली देवी, ब्रह्माणी देवी, नवदुर्गा, शाकुंभरी देवी, राधा-कृष्ण, मां पीतांबरा देवी एवं शिव परिवार की विधिवत स्थापना प्राण प्रतिष्ठा के साथ हो सके। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत आज उकलाना के विभिन्न गली-मोहल्लों में भव्य नगर फेरी निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। नगर फेरी का जगह-जगह स्वागत किया गया। इस दौरान मां काली, राधा-कृष्ण, हनुमान जी एवं वानरों सहित विभिन्न कलाकारों द्वारा आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं।

उकलाना। नगर फेरी में आकर्षक झांकी का प्रदर्शन करते कलाकार।

युवाओं को लक्ष्य निर्धारण और मेहनत का दिया संदेश

सतरोल खाप ने लेफ्टिनेंट आकाश का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

युवाओं को अपना लक्ष्य निर्धारित करके मंजिल हासिल करनी चाहिए ऐसे ही गांव पेटवाड़ के आकाश दुहन ने अपने माता-पिता का सपना पूरा करने के लिए सेना में लेफ्टिनेंट बनकर सतरोल खाप का नाम रोशन किया है। यह बात सतरोल खाप प्रधान संदीप खरब ने गांव पेटवाड़ में लेफ्टिनेंट आकाश दुहन के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर आकाश दुहन को खाप के तरफ से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। खाप प्रधान ने बताया कि युवाओं सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए आगे आना चाहिए। तभी हमारे समाज से बुराइयां का खात्मा होगा। हर युवा को अपना लक्ष्य निर्धारित करना होगा तभी उनको कामयाबी मिल सकेगी। खाप का जो भी युवा किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करेगा तो खाप की तरफ से उनको सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर खाप के महासचिव बिजेंद्र खांडा, सरपंच सतबीर पेटवाड़, सुंदर सिंह, मास्टर फूल कुमार पेटवाड़, रामकेश माजरा, रामफल पाली, सुनील उर्फ शिली लोहान, उदयवीर खरब, वीरेंद्र बामल, शमशेर बास, शिशपाल लोहान, सत्यवान दुहन आदि मौजूद थे।

गांव पेटवाड़ में लेफ्टिनेंट आकाश दुहन को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए खाप के प्रधान संदीप खरब व अन्य।

आकाश दुहन ने जताया खाप का आभार

लेफ्टिनेंट आकाश दुहन ने बताया कि सतरोल खाप की तरफ से उनको जो सम्मान दिया गया है। उनके लिए वह काफी बड़ा सम्मान है। इसके लिए पूरी खाप का धन्यवाद करते हैं। सेना में बेहतरीन कार्य करके खाप का नाम रोशन करने का काम करेंगे। ये खाप वीरों की धरती की खाप है। उनकी वीरता को हमेशा ऊंचा रखने का काम किया जाएगा। सभी युवा मेहनत करके बुलंदियों को छूने का काम करें।

शहीदी दिवस पर बरवाला में गूंजा देशभक्ति का जज्बा, कैबिनेट मंत्री ने दी श्रद्धांजलि

युवा शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं : रणबीर गंगवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

शहीदी दिवस के अवसर पर सोमवार को बरवाला क्षेत्र देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने बरवाला के भगत सिंह चौक पर महान क्रांतिकारी भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने देशभक्ति के नारों के साथ शहीदों के बलिदान को याद किया।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने अपने संबोधन में कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों का जीवन देशभक्ति, त्याग और साहस की मिसाल है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए मिलकर कार्य करें। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और समाज व राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। इसके उपरांत कैबिनेट मंत्री गांव खोखा पहुंचे, जहां उन्होंने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वातावरण देशभक्ति के गीतों और नारों से गूंज उठा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपने इतिहास और शहीदों के बलिदान से जोडऩे का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। मंत्री ने आगे गांव खोखा में एक आधुनिक लाइब्रेरी का शिलान्यास भी किया।

बरवाला। शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू, कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, मोनू सदूंजा, रोशन घणघस, महेश शर्मा, प्रेम जांगड़ा, विनोद बंसल, रामकेश बंसल, गांव खोखा में कृष्ण हुड्डा, कर्मपाल, रमेश सैनी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, ग्रामीण और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव केवल नाम नहीं, एक विचारधारा: बृज लाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) द्वारा शहीदी दिवस के अवसर पर सोमवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) बृज लाल बहबलपुरिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी राजगुरु मार्केट पहुंचे, जहां उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु एवं शहीद सुखदेव की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बृज लाल ने अपने संबोधन में कहा कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने जिस साहस, त्याग और देशभक्ति का परिचय दिया, वह आज भी हर देशवासी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में एआईसीसी सदस्य राजेश संदलाना, पूर्व बरवाला प्रत्याशी भूपेंद्र सिंह गंगवा, अनूप सिंह सरसाना, दिलबाग सिंह हुड्डा, हरफूल खान भट्टी, गीता आहूजा, रणधीर सिंह बामल, सुरेश पंघाल आदि उपस्थित रहे।

हिसार। शहीदों को नमन करते ग्रामीण जिलाध्यक्ष बृजलाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

शहीदों का त्याग इतिहास नहीं बल्कि हमारे भविष्य के लिए प्रेरणा का स्रोत : डीसी

हिसार। उपायुक्त महेंद्र पाल ने कहा है कि शहीदों का त्याग केवल इतिहास नहीं बल्कि हमारे वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सोमवार को शहीदी दिवस के अवसर पर लघु सचिवालय परिसर स्थित शहीद स्मारक तथा सेक्टर 16-17 में आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित करने उपरांत अपने संबोधन में उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि शहीद देश की अमूल्य धरोहर होते हैं। शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि देश के वीर सैनिक और जवान सुरक्षा कवच हैं। वे जब अपनी जान जोखिम में डालकर देश की सीमाओं की कड़ी पहरेदारी करते हैं तब जाकर हम अपने घरों में चैन व सुख की नींद सोते हैं। उपायुक्त ने कहा कि देशभक्तों और शहीदों के अद्वितीय बलिदान की बदौलत ही आज हम स्वतंत्रता के खुले वातावरण में जीवन यापन कर रहे हैं। शहीदों का त्याग केवल इतिहास का हिस्सा नहीं है, बल्कि वह हमारे वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

खेड़ी चोपटा में धूमधाम से मनाया शहीदी दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

सर्वजातीय गणतांत्रिक परिवार बारह खाप द्वारा शहीदी दिवस खेड़ी चोपटा के सरकारी स्कूल में धूमधाम से मनाया गया। इसमें शहीद भगत सिंह राजगुरु सुखदेव को श्रद्धांजलि देने के साथ साथ चौक पर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया गया। इस अवसर पर शहीद चौक पर शहीद मनदीप पूनिया की पत्नी शीला देवी व अन्य परिजनों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। और देशभक्ति के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के आयोजक पूर्व सरपंच सुरेश पंडित एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा सर्वजातीय गणतांत्रिक परिवार की पूरी कार्यकारिणी का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सर्वजातीय गणतांत्रिक परिवार द्वारा इलाके के शहीद परिवारों को सम्मानित किया गया और खेल पढ़ाई आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले युवाओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मास्टर चन्द्रप्रकाश ने कहा कि आज की नौजवान पीढ़ी को शहीदों के बलिदानों से प्रेरणा लेनी चाहिए और देश और समाज के लिए सकारात्मक प्रयास करने चाहिए। संगठन के अध्यक्ष संदीप सिंह भारती ने कहा कि शहीदों से प्रेरणा लेकर आज शहीदी दिवस से स्वरोजगार क्रांति का आगाज किया जाएगा और नौजवान पीढ़ी को रोजगार की दिशा में नया रास्ता दिखाया जाएगा।

नारनौंद। खेड़ी चोपटा पर शहीदी दिवस पर प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व सरपंच राज सिंह, शीलू चेतन सिंह, धर्मपाल, कृष्ण शर्मा, जितेंद्र, मनजीत, किताब सिंह, ओम प्रकाश, राजपाल, राजेंद्र, पवन जांगड़ा, रमेश कुमार, सत्यवान, वेद प्रकाश आदि मौजूद थे।

शहीदी दिवस हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत को दिलाता है याद: बजरंग

हिसार। व्यापार मंडल द्वारा सोमवार को शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमा पर मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग व अन्य प्रतिनिधियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि शहीद सरदार भगत सिंह जैसे देश भक्तों के कारण आज हम आजाद भारत में सुख के सांस ले रहे हैं। शहीदी दिवस हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत को याद दिलाता है। इस अवसर पर राजगुरु मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान रवि मेहता, संरक्षक टीनू आहूजा, वरिष्ठ उप प्रधान सुरेंद्र बजाज, अजय सैनी, सुरेंद्र सोनी, निरंजन गोयल, भारत सोनी, रोहित दलाल, शुभम वलेचा, विनय जैन, प्रदीप सचदेवा, संजय कटारिया आदि ने शहीदों को पुष्प माला अर्पित की।

नव युवा जागृति मंच ने ग्रामीण स्तर पर मनाया शहीद दिवस

नारनौंद। उपमंडल के गांव बास में शहीदी दिवस के उपलक्ष में ग्रामीणों ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसमें मंच पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह दिन भगत सिंह, राजगुरु, और सुखदेव की शहादत को याद करने के लिए मनाया जाता है। इन तीनों वीरों ने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपनी जान दी थी। उनकी शहादत ने देश के युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। भगत सिंह, राजगुरु, और सुखदेव की जांबाजी और देशभक्ति आज भी हमें प्रेरित करती है।

युवा क्लबों ने शहीदों को याद कर दी श्रद्धांजलि

आदमपुर। मेरा युवा भारत केंद्र हिसार के तत्वाधान में युवा स्पोर्ट्स क्लब खासा महाजन, सुभाष चंद्र फाउंडेशन द्वारा शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव का 95 वां बलिदान दिवस शहीद स्मारक में मनाया गया। इस मोके पर क्लब सदस्यों ने शहीदों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर युवा क्लब के सलाहकार मैनपाल सिंह राजपूत, विनोद, विकास, मदनलाल, शुभम, रोहित, सुभाष आर्यन, अमित, सुरेश पंच, नफे सिंह, कपूर फौजी, बलवान, विनोद, अंकित आदि मौजूद थे।

शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को अर्पित की श्रद्धांजलि

हांसी। शहीद भगत सिंह संगठन समिति द्वारा सोमवार को शहीद भगत सिंह पार्क व शहीद मदन लाल ढींगरा पार्क में एडवोकेट पूर्ण चन्द के नेतृत्व में शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव थापर की 95वां बलिदान दिवस श्रद्धाभाव से शहीदों की प्रतिमाओं पर श्रद्धा सुमन अर्पित करके मनाया गया। इस अवसर पर मोनिका जांगड़ा, सुमन शर्मा, शमां मल्होत्रा, वीना चौधरी, बजरंग बंसल, अशोक कनौजिया, किशोरी नागपाल, पूर्णचन्द, फतेह सिंह, जेपी यादव, बलराज सुभाष महता, मनु, तुलसी, सुनील मंत्री, प्रशांत राजपाल, बंसी लाल छाबड़ा, डॉ. मुन्ना अरोडा, खेमचंद शर्मा, अजय आदि मौजूद थे।

इंकलाब युवा मोर्चा ने मनाया शहीदी दिवस

हिसार। इंकलाब युवा मोर्चा ने आजाद नगर स्थित संपूर्ण फिजियोथेरेपी सेंटर पर शहीदी दिवस मनाया। शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के चित्रों पर पुष्प अर्पित करके उनकी वीरता की गाथाओं को साझा किया गया। इस अवसर पर श्री जयनारायण वर्मा स्मारक चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंधक शैलेष वर्मा, आकाशवाणी हिसार के निदेशक पवन कुमार, डॉ. संदीप कलियाणा, डॉ. विवेक, विक्की, एडवोकेट देवेंद्र जैन, करण, संतोष व विजय लक्ष्मी सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। शहीदों के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

भाविप विवेकानंद शाखा ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हिसार। भारत विकास परिषद, विवेकानंद शाखा की ओर से शहीदी दिवस पर राष्ट्र के अमर बलिदानियों को नमन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शाखा के सदस्यों द्वारा राजगुरु मार्केट स्थित शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया व देश की आजादी में उनके महान बलिदान को याद किया गया। 'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा।' आज का दिन उन वीर सपूतों को याद करने का है जिन्होंने भारत माता की स्वाधीनता और गौरव के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

बलिदान दिवस पर सर्व कल्याण मंच ने लगाया रक्तदान शिविर

हांसी। खेल गांव उमरा में स्थित राइजिंग स्टार सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में सोमवार को शहीदी दिवस के उपलक्ष में सर्व कल्याण मंच हरियाणा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में ईटीओ मुकेश गौतम ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की जबकि अध्यक्षता सदर थाना प्रभारी पवित्र कुमार ने की। जिलाध्यक्ष रविन्द्र अत्री ने बताया कि शिविर में ग्रामीण क्षेत्र के ही 37 युवाओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर अनिल, वासुदेव अत्री, भूपेन्द्र, हरिप्रकाश, प्रवीण, संदीप, सुरेन्द्र, प्रदीप, राजेश, नीरज, मनोज, प्रवीण, प्रदीप आदि उपस्थित थे।

भगवान परशुराम समिति ने शहीदी दिवस पर लिया संकल्प

- राजगुरु मार्किट स्थित शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमा स्थल पर जाकर पुष्प अर्पित किए

हिसार। भगवान परशुराम जन सेवा समिति द्वारा ब्रहम संस्कृत पाठशाला, न्यू ऋषि नगर में शहीदी दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता समिति के मुख्य संरक्षक एच.के. शर्मा ने की। मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद पंकज दीवान थे। इसके पश्चात सभी लोगों ने राजगुरु मार्किट स्थित शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमा स्थल पर जाकर पुष्प अर्पित किए और उन्हें पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि देने के उपरांत उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर समिति के संस्थापक योगेंद्र शर्मा, पूर्व पार्षद पिंकी शर्मा, अंबिका शर्मा, सुशील शर्मा, उमेद सिंह खन्ना, बलराज मलिक, नमन बंसल, ओमप्रकाश गर्ग, अशोक शर्मा, राजेश भारद्वाज, बृजेश पांडे आदि मौजूद थे।

त्रिमूर्ति चौक पर मनाया 95वां शहीदी दिवस समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

राष्ट्रीय महानायक सम्मान सभा भारत के तत्वाधान में शहीदे आजम भगतसिंह, राजगुरू व सुखदेव का 95वां शहीदी दिवस समारोह त्रिमूर्ति चौक पर सभा संस्थापक महंत सागर नाथ के सान्निध्य में मनाया गया। समारोह के मुख्य वक्ता प्रो. कवल सुलेजा ने शहीदों की जीवनियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों में शहीद भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव का प्रमुख योगदान रहा, ये तीनों एक साथ देश के लिए जिए और एक साथ ही देश के लिए शहीद हो गए। इन तीनों शहीदों की याद में बना त्रिमूर्ति चौक शहर का एक ऐतिहासिक चौक है। इस अवसर पर महंत सागरनाथ ने बताया कि किस प्रकार से मां भारती की रक्षा करते हुए 22-23 वर्ष के नौजवान युवा फांसी के फंदे पर झुल गए। उन्होंने कहा कि शहीदों के कार्यक्रम निस्वार्थ भाव से करें।

हांसी। शहीद भगतसिंह, राजगुरु व सुखदेव सिंह की प्रतिभाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते सभा सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ प्रधान सुरेन्द्र यादव, 14 महार रेजिमेंट उमेद सिंह सोनी फौजी, सूबेदार जोगिराम, सूबेदार महीपाल, हवलदार अनिल सोनी, संघी कृष्ण फौजी, संघी रामनिवास, अभयराम अहल्याण, कश्मीरी नागपाल, कलीराम सैनी, डा. राजबीर पुनिया, ओ.पी. मुंजाल, जिले सिंह धुपिया, विजयपाल शास्त्री, तुलसी आर्य, उमेश खरड़िया, हैडमास्टर भरत सिंह, बजरंग दल संयोजक संदीप सैनी, मास्टर सुरेन्द्र आदि परिथत थे।

अंडरपास कमेटी ने मनाया शहीदों का शहादत दिवस

- वक्ताओं ने शहीदों के जीवन और बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया

उकलाना। अंडरपास की मांग को लेकर चल रहा धरना सोमवार को 67वें दिन में प्रवेश कर गया। इस अवसर पर धरनास्थल पर उपस्थित लोगों ने देश के अमर शहीद भगत सिंह सुखदेव एवं राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शहादत दिवस मनाया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने शहीदों के जीवन और बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। धरना स्थल पर उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया और देशभक्ति के नारे लगाए। इस अवसर पर कामरेड हरदीप सिंह, प्रधान कपूर सिंह लोटा, बलजीत नंबरदार, कामरेड हरदीप सिंह, लालचंद, प्रेम सिंह, सोहन सिंह, कुलदीप, पालेराम, नीरज बंसल, कमल सिंगला, गुरदीप सिंह और वरीयाम सिंह आदि उपस्थित रहें।

हांसी पुलिस ने सीलिंग प्लान के तहत चलाया सघन चेकिंग अभियान

हांसी। सीलिंग प्लान के दौरान वाहन की जांच करते पुलिस अधिकारी

हांसी। जिला पुलिस हांसी द्वारा कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा सीलिंग प्लान के तहत रविवार शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर नाका बंदी कर संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की जांच की गई। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस द्वारा 520 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 111 वाहन चालकों के चालान किए गए। पुलिस द्वारा बिना नंबर प्लेट के चलने वाले वाहन, संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्ति, तेज आवाज में पटाखे बजाते हुए वाहन चलाने वाले चालक तथा नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। इस दौरान कई वाहनों के दस्तावेजों की भी जांच की गई तथा नियमों का पालन न करने वालों को सख्त हिदायत दी गई। पुलिस प्रवक्ता संदीप शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के निरंतर अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना, अपराधियों में भय उत्पन्न करना तथा आमजन में सुरक्षा की भावना को और अधिक मजबूत करना है।

बारिश के कारण कुछ स्थानों पर गेहूं की फसल बिछौना बन गई

अलसुबह तेज बारिश, फसलों को नुकसान

- सेक्टर 14 में आसमानी बिजली गिरने से कई उपकरण जले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते सोमवार की अलसुबह हिसार व आसपास के एरिया में तेज बारिश हुई, हालांकि यह कुछ देर के लिए हुई। इस दौरान आसमानी बिजली गिरने से सेक्टर-14 स्थित एक आवास में बिजली के उपकरण जले गए।बारिश के चलते सरसों की फसल की कटाई प्रभावित हुई है। इसके अलावा तेज हवाओं के साथ आई बारिश के कारण कुछ स्थानों पर गेहूं की फसल बिछौना बन गई। ऐसे में उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका पैदा हो गई है। उधर, कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी कि गेहूं के खेतों में अगर पानी खड़ा हो तो उसे तुरंत निकाल दें।

25 को दूसरे पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना

हकृवि के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार राज्य में 26 मार्च तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान दो पश्चिमीविक्षोभ आने की संभावना है। पहले पश्चिमी विक्षोभ ने 22 मार्च को दस्तक दे दी है और उसके आंशिक प्रभाव से 25 मार्च तक राज्य में बीच-बीच में आंशिक बादलवाई तथा हल्की से मध्यम गति से हवाएं चलने की संभावना है। डॉ. खीचड़ ने बताया कि इसके बाद दूसरा पश्चिमी विक्षोभ 25 मार्च रात्रि को आने की संभावना है जिसके आंशिक प्रभाव से राज्य में 26 व 27 मार्च को बीच-बीच में आंशिक बादलवाई, हवाएं चलने तथा कहीं-कहीं छिटपुट बूंदाबांदी होने की भी संभावना बन रही है। हवाओं में बदलाव आने से दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव न होने व रात्रि तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

हिसार। डेकोरेटिव पोल व लाइट्स का उद्घाटन करती विधायक सावित्री जिंदल।

साउथ बाइपास पर चार करोड़ से लगाई गई डेकोरेटिव पोल व लाइट्स का उद्घाटन

हिसार। शहर का साउथ बाइपास अब डेकोरेटिव पोल व लाइट्स से जगमगाएगा। नगर निगम की ओर से साउथ बाइपास रोड पर लगाए गए डेकोरेटिव पोल और लाइट्स का सोमवार को विधिवत उद्घाटन विधायक सावित्री जिंदल ने किया। इस कार्य पर लगभग 407.62 लाख रुपये की लागत आई। लगाए जाने वाले डेकोरेटिव पोल और लाइट्स की देखभाल और रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी को अगले पांच वर्षों के लिए सौंपी गई है। इस मौके पर मेयर प्रवीण पोपली, निगमायुक्त नीरज भी मौजूद रहे। विधायक सावित्री जिंदल ने कहा कि शहर का समग्र विकास ही उनका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि साउथ बायपास रोड पर डेकोरेटिव पोल और लाइट्स लगाने का यह कार्य शहर को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रकार की परियोजनाएं न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाती हैं, बल्कि नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को भी सुनिश्चित करती हैं। मेयर प्रवीन पोपली ने कहा कि शहर का चहुंमुखी विकास उनका प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि साउथ बायपास पर लाइट्स लगाने का कार्य इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे सड़क पर रोशनी की बेहतर व्यवस्था होगी, जिससे रात के समय आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम बनेगा। यह परियोजना शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और उसे आधुनिक बनाने की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है।

निजी बस की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

शहर के टोहाना रोड यूनियन बैंक के सामने निजी बस की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिले के नागरिक अस्पताल भिजवाया। घटना के बाद निजी बस चालक और परिचालक मौके पर ही बस को छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने निजी बस को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने मृतक के लड़के वार्ड नंबर एक बरवाला निवासी रोहतास के बयान पर अज्ञात बस चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके कार्रवाई आरंभ कर दी है। जांच अधिकारी एसआई राजबीर ने बताया कि वार्ड नंबर एक निवासी लगभग 66 वर्षीरू राजबीर यूनियन बैंक के सामने सड़क पार करने के लिए डिवाइडर के कट पर खड़ा था। इतने में टोहाना की ओर से तीव्र गति व अनियंत्रित होकर आ रही एक निजी बस ने राजबीर को अपनी चपेट में लेकर उसका सिर कुचल दिया जिससे राजबीर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक राजबीर खेतीबाड़ी का काम करता था।

बरवाला। पुलिस मौके पर कार्रवाई करते हुए

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005